अब लगन लगी की करीए

[Bulle Shah]

अब लगन लगी किह करीए ? न जी सकीए ते न मरीए।
तुम सुनो हमारे बैना[1], मोहे रात दिने नहीं चैना।
हुण पी बिन पलक न सरीए।
अब लगन लगी.....

एह अगन बिरहों दी जारी, कोई हमारी प्रीत निवारी।
बिन दर्शन कैसे तरीए।
अब लगन लगी.....

बुल्ले पई मुसीबत भारी, कोई करो हमारी कारी[2]।
एह अजेहे दुख कैसे जरीए।
अब लगन लगी.....

1 : बातें, 2 : ईलाज